वर्षः 14 - अंक : 168, मुंबई, शुक्रवार, 30 अगस्त, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

कांग्रेस विधायक जितेश अंतापुरकर ने दिया इस्तीफा

बीजेपी में हो सकते हैं शामिल

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में आगामी चुनाव के मद्देनजर सभी दल अपनी अपनी तैयारियों में लगे हुए है। चुनाव के पहले ही नेताओं के दलबदल के कई खबरें सुनने को मिलती है। इस बीच बताया जा रहा है कि कांग्रेस विधायक जितेश अंतारपुरकर ने अपनी पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि अब उनके जल्द ही बीजेपी में शामिल होने की संभावना है। राज्यसभा और विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस के कुछ विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी। जिसके वजह से पार्टी को वोट बंट गए थे। हालांकि, क्रॉस वोट करने वाले सभी विधायकों का नाम सामने नहीं आया था, लेकिन इसमें जितेश अंतारपुरकर का नाम शामिल था। जिसके बाद से लगातार चर्चा चल रही थी कि जितेश अंतारपुरकर महायुति में शामिल हो सकते है। कुछ दिन पहले यह भी खबर थी कि जितेश अंतारपुरकर और हीरामन खोसकर ने सह्याद्री गेस्ट हाउस में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्रः शिवाजी की मूर्ति ढहने के मामले में एक्शन

ठेकेदार चेतन पाटिल गिरफ्तार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। महाराष्ट्र पुलिस ने ठेकेदार चेतन पाटिल को गिरफ्तार कर लिया है। महाराष्ट्र के कोल्हापुल से चेतन की गिरफ्तारी हुई है। चेतन को लोकल क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। आज उसे सिंधुदुर्ग लाया जाएगा। शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा 26 अगस्त को अचानक गिर गई थी। पीएम मोदी ने 8 महीने पहले 4 दिसंबर को शिवाजी महाराज की मूर्ति का अनावरण किया था। महज 8 महीने में ही यह प्रतिमा गिर गई। शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने के बाद महाराष्ट्र में इसको लेकर सियासी बवाल छिड़ गया। (शेष पृष्ठ 3 पर)

घटना पर सीएम शिंदे और डिप्टी सीएम ने मांगी माफी

चक्रवात, बाढ़ और बारिश से 'त्राहिमाम'

गुजरात में 900 सड़कें बंद, हिमाचल-उतराखंड में अलर्ट

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। देश के कई राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने अभी और बारिश की संभावना जताई है। लगातार हो रही बारिश ने गुजरात को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। राज्य के कई शहर बाढ़ की चपेट में हैं। 30 से ज्यादा लोगों की मौत बारिश के कारण हो चुकी हैं। 900 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रहीं हैं। बाढ़ में फंसे लोगों का रेस्क्यू किया जा रहा है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ के अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इसके अलावा 2 और 3 सितंबर को राज्य में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने गुजरात के अलावा दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तराखंड, राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, ओडिशा, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा में बारिश का अलर्ट जारी किया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

आदिवासी होने के कारण हो रहा पक्षपात

मशहूर रनर कविता राऊत का शिंदे सरकार पर गंभीर आरोप

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। सावरपाड़ा एक्सप्रेस के नाम से मशहूर अंतरराष्ट्रीय रनर कविता राऊत ने महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार पर आरोप लगाया है कि आदिवासी होने के कारण उनके साथ पक्षपातपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। ओलंपिक रनर कविता राऊत राष्ट्रकुल गेम्स में भारत की पहली पदक विजेता बनीं। इसके अलावा वह कई अन्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के लिए पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने भारत की ओर से 2016 रियो ओलंपिक में भी हिस्सा लिया था। कविता को प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। कविता ने कहा कि मुझे लगातार सरकारी नौकरी से वंचित रखा जा रहा है और पिछले 10 वर्ष से फालोअप के बावजूद मुझे जानबूझकर दरकिनार किया जा रहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

आदिवासी विधायकों ने भी उठाई आवाज

कविता के इस आरोप के बाद आदिवासी प्रतिनिधियों ने भी सरकार को निशाने पर ले लिया है। विधायक हीरामन खोसकर और पूर्व विधायक जेपी गावित ने भी कविता मामले में सरकार पर भेदभाव का गंभीर आरोप लगाया है। सरकार आदिवासियों और गैर आदिवासियों के बीच भेदभाव करती है। इस बीच आदिवासी 17 संवर्ग वेतन भर्ती का मामला जगजाहिर है, जबकि गावित के नेतृत्व में आदिवासी विकास भवन में पिछले 4 दिनों से आदिवासी अभ्यर्थियों का आंदोलन जारी है। कविता ने आदिवासी विकास भवन इलाके में हो रहे आंदोलन का दौरा किया और इसी आंदोलन के दौरान रनर ने मीडिया से बात करते हुए अपने साथ हुए अन्याय पर दुख जताया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

बांग्लादेश में अराजक हाल

बदलाव के सकारात्मक परिणाम की उम्मीदें गुजरे लगभग तीन हफ्तों में बिखर चुकी हैं। इस दौर में अराजकता जैसी स्थिति बनी रही है। इससे ये धारणा गहरी होती चली गई है कि फिलहाल किसी नई शुरूआत की संभावना नहीं है।

बांग्लादेश में पांच अगस्त को शेख हसीना सरकार के खिलाफ छात्र आंदोलन के सफल होने के बाद देश के जिन हलकों में उम्मीद का माहौल बना, वहां अब मायूसी घर कर रही है। बदलाव के सकारात्मक परिणाम होने की उम्मीदें गुजरे लगभग तीन हफ्तों में बिखर चुकी हैं। इस दौर में अराजकता जैसी स्थिति बनी रही है। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ प्रतिशोध से प्रेरित हिंसा के जारी रहने से यही धारणा बनी है कि अत्याचार के निशाने भले बदल गए हों, लेकिन देश में फिलहाल किसी नई शुरूआत की उम्मीद नहीं है। इसी बीच कार्यवाहक सरकार ने जमात-ए-इस्लामी और उसके छात्र संगठन छात्र शिविर पर से प्रतिबंध हटा लेने का एलान किया है। सरकार के मुताबिक इन संगठनों के दहशतगर्दी में शामिल होने के कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं हुआ। इसी बीच एक दशक पहले एक धर्मनिरपेक्ष ब्लॉगर की हत्या के दोषी एक व्यक्ति को भी जेल से इस तर्क पर रिहा कर दिया गया है कि वह अपनी सजा भुगत चुका है। इन निर्णयों से उचित ही यह सवाल उठा है कि क्या बांग्लादेश के सत्ता तंत्र पर कट्टरपंथी इस्लामी तत्व हावी होते जा रहे हैं। उधर यह धारणा भी बनी है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) बिना सत्ता में हुए सत्ताधारी दल जैसा व्यवहार कर रही है। इस बीच बांग्लादेश के स्वतंत्रता अभियान की धर्मनिरपेक्ष विरासत की वकालत करने वाली किसी शक्ति का अभाव नजर आया है। बंगबंधु शेख मुजीब से जुड़े ठिकानों और 1971 के स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित स्मारकों को नष्ट करने की घटनाओं के साथ इस शून्यता को जोड़ कर देखा जाए, तो यह आशंका तार्किक नजर आती है कि बांग्लादेश ऐसी डगर पर चल चुका है, जिससे पीछा छुड़ाते हुए वह अस्तित्व में आया था। इस बीच सड़कों पर हिंसक टकराव जारी हैं। अब तक केंद्रीय सत्ता को सख्ती से लागू करने में सहयोग करने को लेकर सेना अनिच्छुक बनी हुई है। पांच अगस्त को भंग हुई पुलिस व्यवस्था अब तक प्रभावी ढंग से बहाल नहीं हो पाई है। इसका असर कारोबारी गतिविधियों पर पड़ा है। कुल मिलाकर देश विकट स्थिति में है।

आज भी बिहार में फुटबॉल जेसे विश्व के सबसे लोकप्रिय खेल के लिए न तो जिला अस्तर पर और न ही राज्य अस्तर पर कोई पर्याप्त स्टेडियम नहीं हैः समीर कुमार महासेठ विधायक सह पुर्व मंत्री मधुबनी बिहार

मुंबई हलचल/सालिम आजाद

मधुबनी। बिहार जैसे राज्य में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और युवा प्रतिभाओं को मंच देने के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएँ बनाई गई हैं लेकिन वास्तविकता इससे कोसों दूर है श्री समीर कुमार महासेठ विधायक सह पुर्व मंत्री मधुबनी बिहार मैंने विधान सभा में यह गंभीर सवाल उठाया कि आज भी बिहार में फुटबॉल जैसे विश्व के सबसे लोकप्रिय खेल के लिए न तो जिला स्तर पर और न ही राज्य स्तर पर कोई पर्याप्त स्टेडियम है यह तब है जब सरकार पदक लाओ नौकरी पाओ जैसी योजनाओं का ढिंढोरा पीट रही है। सरकार खिलाड़ियों से पदक लाने की उम्मीद करती है लेकिन उन्हें वह बुनियादी सुविधाएँ देने में असफल रही है जो किसी भी खेल में सफलता पाने

के लिए जरूरी हैं आखिर कैसे उम्मीद की जा सकती है कि हमारे बच्चे और युवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिहार का नाम रौशन करेंगे जब उन्हें अभ्यास करने के लिए उचित मैदान तक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। यह समय है कि सरकार अपनी नीतियों और वादों की समीक्षा करे और उन पर अमल करने के लिए ठोस कदम उठाए मैं सरकार से मांग करता हूँ कि राज्य के हर जिला मुख्यालय में और पटना सहित सभी प्रमुख शहरों में जल्द से जल्द एक एक फुटबॉल स्टेडियम का निर्माण सुनिश्चित किया जाए ताकि बिहार के युवा भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम सरकार को इन मुद्दों पर जवाबदेह बनाएं और सुनिश्चित करें कि हमारे बच्चों और युवाओं को वह सभी सुविधाएं मिलें जो उन्हें सफलता की ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक हों।

सीपी अखिल की अगुवाई में देश में पहली बार हुआ पत्रकार रूपी अपराधी गिरोह का भंडाफोड़, कानपुर में पांच गिरफ्तार

कानपुर में अनेक लोगों ने विभिन्न थानों में दर्ज कराई पत्रकारिता की आड़ में जमीन पर कब्जे और उगाही करने वाले शातिरों के खिलाफ रिपोर्ट, अब तक पूर्व अध्यक्ष, उपाध्यक्ष समेत पांच खा रहे जेल की हवा

कानपुर। यहां एक हजार करोड़ से भी अधिक की वेशकीमती जमीन पर कब्जे की कोशिश के आरोपी पुलिस की जांच में शातिर माफिया अपराधी साबित हुए प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित के खिलाफ नजूल की बेशकीमती जमीन कब्जाने में शामिल रहे आरोपियों पर अलग-अलग थानों में जमीनी विवाद, एससीएसटी एक्ट, रंगदारी और खाली जमीन पर अपना बोर्ड लगाने के मामले दर्ज हैं। इन सभी मुकदमों में 27 नामजद और 40 अज्ञात लोग हैं। वहीं पत्रकारिता की आढ़ में जबरन कब्जों और उगाही रंगदारी के दर्ज अन्य मुकदमों में पुलिस अबतक अवनीश समेत 5 लोगों को गिरफ्तार कर सकी है। जबकि 50 हजार का इनाम घोषित कर अन्य की तलाश में छापे मारे जा रहे हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक पत्रकारिता की आड़ में हर तरह का अपराध करने और करवाने, जमीनों ,भूखंडों और मकानों पर जबरन कब्जा करने और रंगदारी वसूल करने के फलस्वरुप अकूत धन संपदा के मालिक बने शातिर अवनीश ने रिमांड के दौरान पुलिस द्वारा की गई गहन पूछताछ में अनेक लोगों के भी नाम कबूले हैं। अब कमिश्नरेट पुलिस का शिकंजा इन सफेदपोशों पर भी कस रहा है, यही वजह है कि अधिक से अधिक धन उगाही में सफलता के लिए एक दूसरे को संरक्षण और हर तरह के अपराध को भी अंजाम दे चुके यह सभी पत्रकार रूपी ब्लैक मेलर, ठग

शातिर दिमाग अपराधियों, सफेदपोश नेताओं और अपनी भी कमाई के लिए अवनीश का साथ देने वाले कतिपय भ्रष्ट अधिकारियों का खनन माफिया के रूप में चर्चित एक विधायक की अगुवाई वाला गठजोड़ अंदरूनी तौर पर मोर्चा खोलकर भारत ही नहीं बल्कि विश्व पत्रकारिता के इतिहास में पहली बार अवनीश दीक्षित जैसे शातिर दिमाग गिरोह का भंडाफोड़ करने वाले अदम्य साहसी कर्तव्यनिष्ठ और ईमानदार पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार को हटवाने की हर संभव कोशिश में लगातार जुटा हुआ हैं, लेकिन उसका यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकता, जब तक यूपी की कमान देश के सर्वाधिक लोकप्रिय और सर्वोत्तम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथ में है। याद रहे कि भारत ही नहीं बल्कि विश्व पत्रकारिता के इतिहास में यह पहला मामला है, जब यहां के पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार की बेहद ईमानदारी से पूर्ण कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा द्वारा पत्रकारिता, राजनीति और वकालत की आढ़ में हर तरह के अपराध करने और करवाने, जमीनों, मकानों और भूखंडों पर जबरन कब्जे, ब्लैकमेलिंग तथा उगाही आदि हथकंडों से लाखों करोड़ों की नामी - बेनामी - चल, अचल - संपत्ति अर्जित करने वाले अवनीश दीक्षित जैसे इस तरह के शातिरतम गिरोह का भंडाफोड़ करके पत्रकारिता जैसे पवित्र पेशे की छवि और ज्यादा धूमिल होने से बचाने जैसा सराहना की सीमा तोड़ने वाला ऐसा सर्वोत्तम कार्य किया गया है, जिसकी सराहना और समर्थन नहीं करने वाला देश और समाज के हित में निडर ,निष्पक्ष और ईमानदार पत्रकरिता का समर्थक और हितेषी नहीं माना जा सकता। आध्यात्मिक दृष्टिकोण के मुताबिक ऐसा इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि संसार का संचालन एक मात्र ईश्वर की ही तरह अजर , अमर, अविनाशी अक्षर से शब्द और शब्द से वाक्य रूप लिखने,पढ़ने,बोलने और कहने के रूप में हो रहा है। यानी कुछ कहा -बोला या लिखा - पढ़ा ना जाये। मात्र कुछ समय के लिए केवल मौन ही धारण कर लिया जाए तो भी किसी भी पद के माध्यम से संचालित होने वाली संसार की कोई भी व्यवस्था संपादित ही नहीं हो पाएगी। इसका मतलब ईश्वर अपनी ही तरह अजर, अमर,अविनाशी अक्षर से शब्द और शब्द से वाक्य रूप यानी लिखने, पढ़ने, बोलने और कहने के रूप ही संसार का संचालन कर रहा है और संसार संचालक इन्हीं मुख्य माध्यमों में पत्रकारिता जैसा वह महाशब्द भी शामिल है ,जो पूरे संसार की हर तरह की व्यवस्थाओं और कार्यों को भी प्रभावित करता है। यही नहीं हर किसी के जीवन उसकी हर तरह उपलब्धियों तथा कृत्यों को भी सूचित आदि करने के रूप में भी जो हर तरह से प्रभावित करती है। उसे भी संसार में पत्रकारिता के नाम से ही जाना जाता है। इस हिसाब से लिखने ,पढ़ने और बोलने वाले रूपों में पूरे विश्व को प्रभावित करने वाला ईश्वर का सबसे महत्वपूर्ण रूप पत्रकारिता ही है, क्योंकि अगर 'ईश्वर' शब्द का संधि विच्छेद 'ई'+श्वर के हिसाब से किया जाये तो 'ई' मतलब 'यह' और श्वर यानी वह स्वांस जो संसार में हमारे जीवित रहने का कारण है। मतलब इस ईश्वर, अल्लाह या गॉड का निराकार रुप स्वांस ही संसार में हर किसी के होने ,करने और बनने का आधार है। लिखने के रूप में यही ईश्वर साकार भी है और नहीं लिखने के रूप में निराकार भी। संसार के किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी भाषा में लिखने के रूप में ईश्वर साकार इसलिए क्योंकि लिखे शब्द या वाक्य रूप में वह (ईश्वर) दिखाई पड़ता हैं और निराकार भी इसलिए क्योंकि पढ़ने और बोलने के रुप में वह (ईश्वर) सुनाई तो पडता है, लेकिन दिखाई नहीं पड़ता। मतलब लिखने के रूप में दिखाई पड़ने वाला शब्द ही ईश्वर का साकार रूप। और बोलने तथा पढ़ने के रूप में नहीं दिखाई पड़ने वाला शब्द ही ईश्वर का निराकार रूप।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोनः**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

डॉ (Hon) गौरव शाह द्वारा मालाड मे दहीहंडी उत्सव धूमधाम से बनाया गया

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। हर साल की तरह इस साल भी भव्य श्री कृष्ण जन्माष्टमी का सांस्कृतिक कार्यक्रम का लेट अनिल शाह फाउंडेशन चेयरमेन और भाजपा उत्तर मुंबई व्यापारी युवा मोर्चा अध्यक्ष डॉ (Hon) गौरव शाह द्वारा आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 20 से अधिक गोविंदा पथक का सम्मान और कहीं सारे टेलीविजन सितारे और सोशल मीडिया इन्फ्यूजर और मीडिया कर्मियों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख उपस्थित स्थानिक आमदार योगेश सागर जी, भाजपा मुंबई सचिव योगेश वर्मा जी, भाजपा महाराष्ट्र

प्रवक्ता विनोद शेलार जी, मुंबई युवा मोर्चा अध्यक्ष तेजिंदर तीवाना जी, आर यू सिंह जी, व्यापारी अध्यक्ष संकल्प शर्मा जी और उनके सारी पदाधिकारी, नरेंद्र राठोड जी, मंडळ अध्यक्ष सुनील कोळी जी महिला मोर्चा सोनल शर्मा, राखी शाह, निकि चोप्रा, कोमल चौहान, मंजु गुप्ता, जयश्री निवाते और फाउंडेशन के अल्पेश निवाते, संकेत कांबळे, मुन्ना गुप्ता, विपुल भोजविया, जिज्ञनेश सोनी सभी पदाधिकारी साथ में t v सिनेमा के कलाकार और मीडिया कर्मी उपस्थित हुए। समाजसेवक गौरव शाह उनके NGO के माध्यम से पिछले 8 सालों से सामाजिक, शिक्षा, हेल्थ, मानव अधिकार, धार्मिक, राशन वितरण जैसे क्षेत्र मे काम करते हैं। और यही काम उनकी पहचान बनी हुई है और कहीं सारे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय 115 से अधिक पुरस्कार हासिल किए है और यही पुरस्कार से उनको काम करने की प्रेरणा मिलती है।

धूमधाम से मनाया गया दहीहंडी उत्सव

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी 175 कालीन विधानसभा की तरफ से हर वर्ष की तरह श्री कृष्ण जन्माष्टमी - दहीहंडी उत्सव वाकोला ब्रिज सांताक्रूज पूर्व मुंबई 55 में बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें भारी संख्या में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी मुंबई उपाध्यक्ष कालीन विधानसभा प्रभारी श्री अमरजीत सिंह जी, पूर्व महाराष्ट्र राज्य गृह मंत्री श्री कृपा शंकर सिंह जी, आयोजक - श्री अशोक सिंह जी, विधानसभा अध्यक्ष श्री चंद्रकांत मोरे जी, व्यापारी संघ अध्यक्ष नानजी वान, सहसंयोजक- कालीन विधानसभा उपाध्यक्ष जितेंद्र शुक्ला, उत्तर मध्य मुंबई पंजाबी सेल के अध्यक्ष लीडर सिंह जी, दीपक फड़के एवं अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री बाल गंगाधर तिलक सेवा सम्मान 2024 में दरियादिल मुंबईकर द्वारा नेत्रहीन बच्चों तथा दिव्यांग बच्चों द्वारा स्केटिंग का शानदार प्रदर्शन किया गया

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई के लता मंगेशकर नृत्यग्रह ऑडिटोरियम में आयोजित श्री बाल गंगाधर तिलक सेवा सम्मान 2024 में दरियादिल मुंबईकर द्वारा नेत्रहीन बच्चों तथा दिव्यांग बच्चों द्वारा स्केटिंग का शानदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के उपरांत सभी को सम्मानित भी किया गया। इसके लिए उन्होंने डॉक्टर विजय बजाज जी को यह मौका देने के लिए विशेष तौर पर धन्यवाद कहा। राष्ट्रीय सैनिक संस्था मुंबई महिला इकाई की अध्यक्षा तथा दरियादिल मुंबईकर की संस्थापिका डॉक्टर अर्चना देशमुख जी ने बतलाया कि इस प्रकार के कार्य हम अक्सर किया करते हैं इससे इन बच्चों को प्रोत्साहन तथा मदद मिलती है।

हॉस्टल के दोस्तों ने छत्रपति शिवाजी महाराज पर बनाई लघु फिल्म, मिली अंतरराष्ट्रीय पहचान

मुंबई। 'रुद्ररूप' लघु फिल्म, छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से प्रेरित होकर, कृष्णा विश्व विद्यापीठ के छात्रावास के दोस्तों द्वारा बनाई गई थी। इस लघु फिल्म के निमार्ता टायसन फर्नांडीज, कलाकारः वैभव गुरव, वरुण प्रभुने, अंकुर पिंगले, प्रणव टाकले, मल्हार हुडले, हर्षवर्धन यादव, धीरज खरात, निर्देशकः टायसन फर्नांडीज और गौरांग सामंत, छायांकनः टायसन फर्नांडीज, गौरांग सामंत और सैमसन फर्नांडीस, निर्माताः गौरांग सामंत और वैभव गुरव, लेखकः टायसन फर्नांडीज हैं। रुद्ररूप एक कहानी है दो दोस्त जो रूममेट हैं और उनमें से एक दोस्त को गुंडों के एक समूह द्वारा मार दिया जाता है जो अमीर परिवारों से हैं और इस वजह से उन्हें केवल निलंबित कर दिया जाता है और यह सब अन्याय देखने के बाद दूसरा दोस्त छत्रपति शिवाजी महाराज से बहुत प्रेरित होता है और अपने दोस्त की हत्या का बदला लेता है। इस लघु फिल्म को 6 अंतर्राष्ट्रीय चयन प्राप्त हुए तथा वाइडस्क्रीन फिल्म एवं संगीत वीडियो महोत्सव, टोरंटो, कनाडा में सम्माननीय उल्लेख प्राप्त हुआ। यह लघु फिल्म टाइममेम्स यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

ठेकेदार चेतन पाटिल गिरफ्तार

विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ने इस पर महाराष्ट्र सरकार की तीखी आलोचना की। उद्धव गुट ने सीएम एकनाथ शिंदे के इस्तीफे की मांग की। वहीं, महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्निथला ने सिंदुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज के स्टेच्यू गिरने के मामले में कहा कि शिवाजी महाराज का स्टैचू किसने गिराया, वह किस पार्टी का आदमी है। यह दुर्घटना कैसे हुई? छत्रपति शिवाजी महाराज के अपमान पर माफी मांगने से कुछ नहीं होगा कार्रवाई होनी चाहिए। हम इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने माफी मांगी। उन्होंने कहा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटना को लेकर मैं 100 बार माफी मांगने को तैयार हूं। शिंदे ने कहा कि वो जल्द ही शिवाजी महाराज की एक बड़ी प्रतिमा बनाएंगे। सीएम शिंदे ने कहा था कि शिवाजी महाराज की प्रतिमा का डिजाइन और निर्माण भारतीय नौसेना ने किया था। इसके बाद मूर्ति गिरने के कारणों की जांच और नई प्रतिमा के निर्माण के लिए एक तकनीकी समिति गठित की गई। समिति में इंजीनियर्स, आईआईटी विशेषज्ञ और नौसेना के अधिकारी शामिल हैं। वहीं, इस घटना पर भारतीय नौसेना ने गुरुवार को कहा कि वह प्रतिमा की मरम्मत करने और जल्द से जल्द उसे फिर से स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आदिवासी होने के कारण हो रहा पक्षपात

कविता ने कहा कि मैंने कई बार सरकारी नीतियों के अनुसार नौकरियों के लिए आवेदन किया है, लेकिन मेरे आवेदनों को जानबूझकर नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खेल में कम अंक और कम रैंक वाले खिलाड़ी आसानी से सरकारी नौकरियां पा रहे हैं। कविता को पीछे छोड़ते हुए उपविजेता ललिता बाबर को सरकारी नौकरी दी गई है। ललिता बाबर को डिप्टी कलेक्टर की नौकरी दी गई।

कांग्रेस विधायक जितेश अंतापुरकर ने दिया इस्तीफा

हालांकि जब जितेश अंतारपुरकर से कांग्रेस छोड़ने को लेकर सवाल किया गया था, तब उन्होंने इस बात से इनकार किया था। जितेश अंतारपुरकर कहा था कि मैंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में किसानों का समस्याओं पर चर्चा करने के लिए सीएम शिंदे से मुलाकात की थी। हालांकि अब उनके कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देने की जानकारी सामने आई है। कहा जा रहा है कि वह आज दोपहर में बीजेपी का दामन थाम सकते हैं। सुत्रों ने बताया कि आज शाम मुंबई स्थित बीजेपी कार्यालय में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले की मौजूदगी में पार्टी में प्रवेश करेंगे।

चक्रवात, बाढ़ और बारिश से 'त्राहिमाम'

आईएमडी बुलेटिन के मुताबिक, सौराष्ट्र और कच्छ के ऊपर बने गहरे दबाव का क्षेत्र 30 अगस्त को पूर्वी अरब सागर के ऊपर एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। इसके बाद, यह अगले 2 दिनों के दौरान भारतीय तट से दूर उत्तर-पूर्व अरब सागर में लगभग पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ना जारी रखेगा। जिससे देश के अधिकतर हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। गुरुवार को दिल्ली में जमकर बारिश हुई। पूरे दिन आसमान में बादल छाए रहे। तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। बुधवार-गुरुवार की रात में जोरदार बारिश के कारण राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कई इलाके पानी से भर गए। जलभराव होने के कारण लोगों का बाहर निकला दुश्वार हो गया।

खबर संक्षेप

अल्केमिस्ट एविएशन पर लगाई रोक

नई दिल्ली। डीजीसीए ने एक प्रशिक्षु विमान दुर्घटना को देखते हुए 'आडिट' करने के बाद 'अल्केमिस्ट एविएशन' की मंजूरी निलंबित कर दी है। आडिट में पाया गया कि उड़ान प्रशिक्षण संगठन नियमों का अनुपालन नहीं कर रहा था। यह कदम संगठन के प्रशिक्षु विमान की घातक दुर्घटना के दो सप्ताह से भी कम समय में उठाया गया है। अल्केमिस्ट एविएशन के पास छह विमान थे।

मुफ्त भोजन योजना के लिए दान दिए 3.7 करोड़

तिरुपति। हैदराबाद के चार उद्यमियों ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के श्री वेंकटेश्वर अन्नप्रसादम ट्रस्ट को 3.7 करोड़ रुपए का दान दिया है। यह ट्रस्ट तीर्थयात्रियों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराता है। पी वेंकटेश्वरलू, राजामौली, प्रसाद राव और एम लक्ष्मी कुमारी ने तिरुमाला में अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी सीएच वेंकैया चौधरी को 3.7 करोड़ रुपए का चेक सौंपा।

चांदी का चम्मच वाले गरीबों का हाल क्या जानें

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि मुंह में चांदी का चम्मच लेकर पैदा होने वाले लोग समाज के वंचित वर्ग की दुर्दशा को नहीं समझेंगे। उन्होंने लड़की बहिन को लेकर विपक्ष के आरोपों पर यह तंज कसा। महाराष्ट्र सरकार गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। वे 'जन सम्मान यात्रा' के दौरान एक रैली को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने लोगों से सरकारी योजनाओं को लेकर विपक्ष के फर्जी अभियानों से सतर्क रहने का आग्रह किया।

रेप-मर्डर केस पर सियासी घमासान, भाजपा ने 7 दिनी धरना शुरू किया

कोलकाता में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने धर्मतला इलाके में दिया धरना

बेटी को इंसाफ दे और गिरफ्तार छात्रों को तुरंत रिहा करे बंगाल की सरकार

मुंबई हलचल / कोलकाता

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और मर्डर के मामले को लेकर सियासी घमासान जारी है। मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने खुलेआम असम से दिल्ली तक आग भड़काने की धमकी दी है, वहीं भाजपा ने भी जवाब दिया है। इस बीच भाजपा ने गुरुवार को भी अपना धरना-प्रदर्शन जारी रखा।

इसके बाद भी भाजपा कोलकाता में प्रदर्शन करेगी। दावा किया जा रहा है कि ये धरना शांतिपूर्वक होगा। कोलकाता में भाजपा के कार्यकर्ता धर्मतला इलाके में धरना दे रहे हैं। इनका कहना यह है कि हाई कोर्ट की परमिशन के बाद ही यह धरना दे पा रहे हैं। ममता सरकार ने उनको धरने की परमिशन भी नहीं दी है। कार्यकर्ताओं के मुताबिक वह मेडिकल छात्रा के मामले में इंसाफ की मांग कर रहे हैं। वे चाहते हैं की ममता बेनर्जी इस पूरे मामले को लेकर जवाब दें और जिन छात्रों को गिरफ्तार किया गया है उनको तुरंत छोड़ जाए।

सीएम ममता से भाजपा के सवाल

भाजपा के कार्यकर्ता देंगे धरना

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने गुरुवार से विरोध प्रदर्शनों की श्रृंखला की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने एस्प्लेनेड वाई चैनल पर धरना दिया। पार्टी की महिला इकाई 30 अगस्त को राज्य महिला आयोग कार्यालय का घेराव करेगी। मजूमदार ने ममता के इस्तीफे की मांग करते हुए उन पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने, घटना को दबाने का प्रयास करने और कुछ व्यक्तियों को बचाने के लिए जांच को प्रभावित करने का आरोप लगाया। सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता के इस्तीफे की मांग करते हुए तीन रैलियां भी आयोजित करेंगे। एक मुख्यमंत्री के आवास तक जाएगी।

14वें दिन भी संदीप से पूछताछ

सीबीआई ने कोलकाता के आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रधानाचार्य संदीप घोष से 13 दिनों में 100 घंटे से ज्यादा पूछताछ की है। गुरुवार को 14वें दिन संदीप घोष एक बार फिर सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित सीबीआई कार्यालय में पूछताछ के लिए पहुंचे। उधर, आईएमए ने डॉक्टर संदीप घोष को निलंबित कर दिया है लेकिन राज्य ने अभी भी उनके खिलाफ कोई भी कदम नहीं उठाया है।

अधीर रंजन का बड़ा आरोप

कई रहस्य सामने आएंगे, ममता जांच रोक रहीं

पश्चिम बंगाल के बड़े कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बड़ा आरोप लगाया है। चौधरी ने इस मामले में राज्य की सीएम ममता को घेरा है। उन्होंने कहा कि ममता नहीं चाहती कि इस मामले की ठीक से जांच हो क्योंकि कई रहस्य सामने आएंगे। इसलिए वे निरर्थक बातें कर और लोगों को डराकर ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन लोग डरेंगे नहीं, क्योंकि यह एक जन आंदोलन बन गया है।

पूर्व पुलिस अफसर का बड़ा दावा

यह प्री-प्लांड मर्डर था

ममता सरकार में काम करने वाले पूर्व इंस्पेक्टर अरिंदम आचार्या ने पुलिस पर बड़ा सवाल उठा दिया है। आचार्य ने बताया कि पुलिस ने सबसे पहले तो केस में जांच करने में देरी की। उन्होंने शाम को पोस्टमार्टम कराए जाने पर भी सवाल उठाए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट गलत है। जिस डॉक्टर को पोस्टमार्टम करना था उससे केवल जबरन साइन कराए गए, ये बात उनको डॉक्टर ने बताया है। इस तरह की घटना में पुलिस क्वेस्ट रिपोर्ट तैयार करती है। विसरा भी सुरक्षित करती है, लेकिन कहां है ये सब?

सीएम ममता की सफाई

मैंने कभी डॉक्टरों को नहीं धमकाया आंदोलन के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला

सीएम ममता बेनर्जी ने आरोप लगाया कि उनके भाषण को लेकर उनके खिलाफ दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार अभियान चलाया गया। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के खिलाफ मेडिकल छात्रों या उनके आंदोलन के खिलाफ एक भी शब्द नहीं कहा है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी के लिए नुकसान का सबब बन सकता है

नड्डा ने विवादित बयान पर कंगना को तलब करके जताई नाराजगी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को सांसद कंगना रनौत को तलब किया। नड्डा के सरकारी आवास पर करीब आधे घंटे तक चली मुलाकात के दौरान कंगना के किसान आंदोलन को लेकर दिए गए विवादित बयान पर पार्टी अध्यक्ष ने नाराजगी जाहिर की। सूत्रों के अनुसार नड्डा ने मंडी से पहली बार सांसद बनी रनौत को हिदायत दी कि भविष्य में वे कोई ऐसा बयान न दें जिससे पार्टी को नुकसान हो।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि हरियाणा में जल्द ही होने वाले विधानसभा चुनाव में कंगना रनौत का बयान पार्टी के लिए नुकसान का सबब बन सकता है। किसान आंदोलन में हरियाणा के किसानों की सक्रिय भूमिका थी। ऐसे में कंगना का बयान एक बार फिर किसान वर्ग को नाराज कर सकता है। नड्डा ने कंगना को तलब कर यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी उनके बयान से नाराज है। गौरतलब है कि हाल ही में कंगना ने एक इंटरव्यू के दौरान किसान आंदोलन के दौरान हत्या और रेप होने का बयान दिया था। उनके बयान के बाद पंजाब और हरियाणा के किसान संगठनों ने कड़ा विरोध जताया था। इसके बाद भाजपा के मीडिया सेल ने एक बयान जारी कर कंगना के बयान पर नाराजगी जताते हुए पार्टी को इससे अलग कर लिया था। भाजपा ने उनके विचारों से असहमति व्यक्त करते हुए उनकी टिप्पणियों की निंदा की और यह स्पष्ट कर दिया कि उन्हें पार्टी के नीतिगत मामलों पर टिप्पणी करने की न तो इजाजत है और न ही वे अधिकृत हैं। इसके बाद सत्तारूढ़ पार्टी ने एक बयान में कहा, भारतीय जनता पार्टी ने कंगना रनौत को भविष्य में इस तरह का कोई भी बयान नहीं देने का निर्देश दिया है।

बयान में कहा गया, भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' और सामाजिक सद्भाव के सिद्धांतों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि कंगना रनौत ने भी अपने बयान पर माफी मांग ली थी, लेकिन किसान संगठनों के विरोध और धरना प्रदर्शन को देखते हुए गुरुवार को नड्डा ने खुद कंगना को तलब किया।

पहली बार भारत की जमीन पर उतरेंगे यूनान की वायुसेना के लड़ाकू विमान, बांग्लादेश की वायुसेना की भी होगी भागीदारी

पाक की नाक के नीचे जोधपुर में आज से होगी 'तरंग शक्ति' युद्धाभ्यास के दूसरे चरण की शुरुआत

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

मौजूदा समय में पाकिस्तान से लगी देश की सीमाओं पर बने हुए चिंताजनक हालात के बीच शुक्रवार से जोधपुर में भारतीय वायुसेना के पहले अंतरराष्ट्रीय युद्धाभ्यास 'तरंग शक्ति-2024' के दूसरे चरण (30 अगस्त से 14 सितंबर तक) की शुरुआत होगी। इसमें पहली बार यूनान (ग्रीस) की हेलेनिक वायुसेना की 336 स्क्वाड्रन के चार एफ-16 लड़ाकू विमान करीब 3 हजार किलोमीटर की लंबी हवाई दूरी तय करके राजस्थान पहुंचकर अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन करेंगे।

इनके अलावा राजनीतिक उथल-पुथल के बीच बांग्लादेश की वायुसेना सी-130जे विमान के साथ युद्धाभ्यास में भाग लेगी। वायुसेना ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट के जरिए इस युद्धाभ्यास के दूसरे चरण की जानकारी दी है। तरंग शक्ति का पहला चरण तमिलनाडु के सुलूर वायुसैन्यअड्डे पर 6 से 14 अगस्त तक आयोजित किया गया था।

भारत-यूनान के बढ़ते संबंधों का प्रतीक

रक्षा सूत्रों ने बताया कि भारत और यूनान के बीच पिछले साल 2023 में सैन्य सहयोग को मजबूत बनाने के लिए हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद यह पहला ऐसा मौका है। जब हेलेनिक वायुसेना के लड़ाकू विमानों की गर्जना भारत के हवाई क्षेत्र में सुनाई देगी। इसमें उनके साथ तकनीशियन और अन्य उपकरणों से जुड़ी एक टीम 2 सी-130 विमानों के जरिए भारत पहुंचेगी। यहां बता दें कि 2023 में यूनान की वायुसेना द्वारा आयोजित किए गए 'आईएनआईओचोस' युद्धाभ्यास में भाग लेने के लिए भारतीय वायुसेना ने सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान भेजे थे। यह दोनों देशों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को भी प्रदर्शित करता है।

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया की वायुसेनाएं करेंगी शिरकत

तरंग शक्ति युद्धाभ्यास के दूसरे चरण में यूनान के अलावा अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, बांग्लादेश और जापान की वायुसेनाएं शामिल होंगी। भारत की वायुसेना के साथ इन सभी का युद्धक दस्ता हवाई युद्धकला से जुड़े विभिन्न पहलुओं का अभ्यास करेगा। इसमें रक्षात्मक और आक्रामक दोनों पक्ष शामिल हैं। दर्जन भर देशों के वायुसेनाप्रमुख भी इसका प्रत्यक्ष रूप से गवाह बनने के लिए जोधपुर में मौजूद रहेंगे।

अलग-अलग लड़ाकू विमान हवाई कलाबाजियों के अलावा आसमान से जमीन पर और जमीन से आसमान में पूर्व निर्धारित कृत्रिम लक्ष्यों पर सटीक निशाना लगाते हुए नजर आएंगे। तरंग शक्ति युद्धाभ्यास के पहले चरण में फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और स्पेन की वायुसेनाएं शामिल हुई थीं।

तेजस, प्रचंड, अपाचे हेलिकॉप्टर भाग लेंगे

युद्धाभ्यास के दूसरे चरण में विभिन्न प्रकार के कुल करीब 40 विमान भाग लेंगे। इसमें 27 लड़ाकू विमान, 2 टैंकर, 2 एयरबॉर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम और 3 विशेष बल विमान शामिल हैं। भारत की तरफ से तेजस, राफेल जैसे लड़ाकू विमानों के अलावा प्रचंड, अपाचे और ध्रुव हेलिकॉप्टर तरंग शक्ति युद्धाभ्यास में शामिल होंगे।

कांग्रेस का केंद्र पर दबाव, 5 संसदीय समितियों में जोर

वित्त, विदेश, गृह और रक्षा मंत्रालय की मिले कमान

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

संसदीय स्थायी समितियों की अध्यक्षता को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच लंबे समय से रार ठनी हुई है। कांग्रेस पार्टी चाहती है कि उन्हें गृहमंत्रालय की संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्षता तय परिपाटी के अनुसार मिले, मगर सरकार की ओर से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय वाली स्थायी समिति की अध्यक्षता का ऑफर दिया गया है।

प्रमुख विपक्षी दल होने की हैसियत से कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा की चार और राज्यसभा की एक संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्षता पर अपना हक जताया है, मगर केंद्र सरकार केवल 3 संसदीय स्थायी समिति ही कांग्रेस के कोटे में देने को तैयार है। इसके अलावा एक एक समिति की अध्यक्षता इंडिया गठबंधन में शामिल समजावादी पार्टी, डीएमके और तृणमूल कांग्रेस के खाते में देने का फार्मूला तय हुआ है। सूत्रों ने बताया कि स्थायी समिति के लिए मंत्रालयों की संख्या से ज्यादा रस्साकशी इस बात की है कि कौन सा मंत्रालय है? मुख्य विपक्षी दल इस बात को लेकर लगातार दबाव बनाए हुए है कि संसदीय स्थायी समिति की अध्यक्षता किसी भी मंत्रालय की देकर खानापूरी नहीं करने दी जाएगी, यही वजह है कि पूरा मानसून सत्र निकल जाने के बाद भी अब तक स्थायी समितियों की घोषणा नहीं हो पाई है।

डेरेक की पाती नड्डा के नाम

राज्यसभा में तृणमूल संसदीय दल के नेता डेरेक ओ ब्रॉयन ने सदन के नेता जेपी नड्डा को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि जल्द से जल्द राज्यसभा से संबंधित संसदीय स्थायी समितियों की घोषणा होनी चाहिए ताकि विधिपूर्ण तरीके से मंत्रालयों के कामकाज को कसौटी पर कसा जा सके। एक पेज के लिखे पत्र में कहा, मानसून सत्र के दौरान ही आपने कहा था कि समितियों का गठन कर दिया जाएगा, लेकिन अब तक समितियों की आकार प्रकार सामने नहीं आया है।

बैठक हो गई, गठन जल्द

22 अगस्त को ही संसदीय परिसर में संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू, कानून एवं न्याय राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल, लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई, चीफ व्हिप के. सुरेश और वरिष्ठ नेता जयराम रमेश के बीच संसदीय स्थायी समितियों के प्रारूप पर चर्चा हुई थी। कांग्रेस नेताओं ने वित्त, रक्षा, विदेश और गृहमंत्रालय जैसे मंत्रालयों की स्थायी समिति की अध्यक्षता की चाह से केंद्रीय मंत्रियों को अवगत करा दिया है।

वाईएसआर के दो नेताओं का इस्तीफा, टीडीपी से पहुंचेंगे रास, राजग की हो गई बल्ले बल्ले

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

आंध्रप्रदेश विधानसभा में करारी हार झेलने और लोकसभा में केवल चार सीटों पर विजय हासिल करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी को एक और करारा झटका तब लगा जब उनके दो राज्यसभा सांसदों ने न सिर्फ उच्चसदन की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया बल्कि जगनमोहन का भी साथ छोड़कर आंध्र के सीएम चंद्रबाबू के साथ जुड़ने का रास्ता प्रशस्त कर लिया।

दोनों ही नेताओं को टीडीपी के टिकट पर उपचुनाव में जिताकर राज्यसभा भेजा दिया जाएगा। जाहिर है इससे राजग गठबंधन राज्यसभा में और मजबूती से निखरेगा। सूत्रों ने बताया कि वाईएसआरसीपी के मोपीदेवी वेंकटरमण और बेदा मस्तान राव के राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफे को शुक्रवार को सभापति जगदीप धनखड ने स्वीकार भी कर लिया। वेंकटरमण का कार्यकाल 2026 तक था जब कि राव का कार्यकाल 2028 तक था।

जाहिर है दोनों सीटों पर उपचुनावों की घोषणा शीघ्र कर दी जाएगी। आंध्र विस में विधायकों के संख्याबल के हिसाब से टीडीपी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री चंद्राबाबू नायडू ने आसानी से दोनों नेताओं को राज्यसभा पहुंचाने मंत सफल रहेंगे। अभी टीडीपी के एक भी सांसद राज्यसभा नहीं हैं। दोनों नेताओं के टीडीपी के रास्ते राज्यसभा पहुंचने से राजग गठबंधन की केंद्र सरकार को विधेयकों को बहुमत के आधार पर पारित कराने में और आसानी हो जाएगी।

जयशंकर ने इजराइल के महानिदेशक से की मुलाकात

दोनों में सहयोग के विकास और द्विपक्षीय प्रयासों के दायरे पर चर्चा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को दिल्ली में इज़राइल के महानिदेशक याकोव ब्लिटस्टीन से मुलाकात की, जहां दोनों ने भारत-इज़राइल सहयोग के विकास पर चर्चा की। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने पश्चिम एशिया में मौजूदा स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दिल्ली में इज़राइल के महानिदेशक याकोव ब्लिटस्टीन का स्वागत करते हुए खुशी हुई।

द्विपक्षीय हित के विभिन्न मुद्दों पर बातचीत

मंत्रालय ने कहा, भारत-इजराइल रणनीतिक साझेदारी की ताकत को दर्शाते हुए, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय हित के विभिन्न मुद्दों पर गहराई से चर्चा की और द्विपक्षीय प्रयासों के संपूर्ण दायरे की समीक्षा की।

संयम, बातचीत और कूटनीति पर जोर दिया

इससे पहले बुधवार को, भारत और इज़राइल ने विदेश कार्यालय परामर्श का 17वां दौर आयोजित किया, जिसके दौरान विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पश्चिम एशिया में बढ़ती स्थिति पर भारत की चिंता साझा की और संयम, बातचीत और कूटनीति पर जोर दिया। भारतीय पक्ष का नेतृत्व विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने किया।

कहा-सबकुछ ठीक हैं चिंता न करें, वह सुरक्षित लौटकर आएगी

वॉशिंगटन। इस साल जून की शुरुआत में स्पेस स्टेशन पर गए एस्ट्रोनॉट्स सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर की वापसी अब अगले साल फरवरी महीने में होगी। नासा के दोनों एस्ट्रोनॉट्स ने बोइंग के स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे थे और एक हफ्ते में ही वापस पृथ्वी पर आना था, लेकिन स्पेसक्राफ्ट में खराबी आने के बाद दोनों को अंतरिक्ष में लंबा समय व्यतीत करना होगा। इस दौरान, सुनीता और बैरी के लिए दुनियाभर से लोग चिंता व्यक्त कर रहे हैं। सुनीता विलियम्स के पति और मां ने भी अब अपनी चुप्पी तोड़ी है। सुनीता की मां ने बताया कि हाल ही में मेरी बेटी से बात हुई है और उसने मुझे बताया कि सब कुछ ठीक होगा, मैं चिंता न करूं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शेयरधारकों की 47वीं सालाना आम बैठक में बोले

रिलायंस का अल्पकालिक लाभ की जगह देश के लिए धन सृजन पर ध्यान: मुकेश अंबानी

मुंबई हलचल / मुंबई

जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका तेल से लेकर दूरसंचार तक का कारोबार करने वाला समूह अल्पकालिक लाभ कमाने और संपत्ति जमा करने के कारोबार में नहीं है, बल्कि उसका ध्यान देश के लिए धन सृजन पर है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. (आरआईएल) के शेयरधारकों की 47वीं सालाना आम बैठक में उन्होंने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सभी कारोबार भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने वाले प्रमुख चालक बने हुए हैं और सफलता की गाथा बन गए हैं।

हम देश के लिए धनसृजन के व्यवसाय में

अंबानी ने कहा, 'हम अल्पकालिक लाभ कमाने तथा धन संचय करने के व्यवसाय में नहीं हैं। हम भारत के लिए धन सृजन के व्यवसाय में हैं। हम उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद व सेवाएं प्रदान करने के कारोबार में हैं जो भारतीय उपभोक्ताओं के लिए दक्षता, उत्पादकता और जीवन को आसान बनाते हैं।'

एआई को बताया सबसे बड़ा परिवर्तनकारी घटक

मानव जाति के विकास में एआई को संभवतः सबसे बड़ा परिवर्तनकारी घटक बताते हुए अंबानी ने कहा कि इसने लोगों के समक्ष आने वाली अनेक जटिल समस्याओं के समाधान के अवसर खोले हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि साथ ही वैश्विक स्तर पर जारी संघर्ष वैश्विक शांति, स्थिरता और यहां तक कि राष्ट्रों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए भी खतरा उत्पन्न कर रहे हैं।

- हम उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद व सेवाएं प्रदान करने के कारोबार में
- रिलायंस 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने पर विचार कर रहा
- कंपनी ने शोध व विकास पर 3,643 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए

5 सितंबर को बोनस शेयर पर विचार

रिलायंस का लक्ष्य देश को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करना तथा भावी पीढ़ियों के लिए विश्व को अधिक स्वच्छ तथा हरित बनाना है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अंबानी ने कहा कि कंपनी का निदेशक मंडल पांच सितंबर को 1:1 के अनुपात में 'बोनस शेयर' जारी करने पर विचार करने के लिए बैठक करेगा।

शेयरधारकों को देते हैं अच्छा ईनाम

अंबानी ने कहा, ''जब रिलायंस बढ़ता है, तो हम अपने शेयरधारकों को अच्छा इनाम देते हैं।'' उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण को रणनीतिक रूप से अपनाने से रिलायंस निकट भविष्य में दुनिया की शीर्ष-30 कंपनियों में अपना स्थान सुरक्षित कर लेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य अतीत की तुलना में कहीं अधिक उज्ज्वल है।

इस साल सौर उपकरण कारखाना शुरू करेगी अंबानी

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बृहस्पतिवार को कहा कि कंपनी हरित ऊर्जा की दिशा में कदम बढ़ाते हुए इस साल अपना पहला सौर उपकरण बनाने का कारखाना चालू करने की योजना बना रही है। सौर गीगा फैक्टरी यानी बड़े कारखाने में एक ही स्थान पर पीवी मॉड्यूल, सेल, वेफर और इनगॉट, पॉलीसिलिकॉन और ग्लास का निर्माण शामिल होगा।

रिलायंस ने 2023-24 में 1.7 लाख नई नौकरियां दीं

अंबानी ने कंपनी में नौकरियों में कटौती की खबरों को भ्रामक बताते हुए कहा कि समूह ने पिछले वित्त वर्ष में 1.7 लाख लोगों को रोजगार दिये हैं। इसके साथ ही कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 6.5 लाख से ज्यादा हो गई है। उल्लेखनीय है कि बीते वित्त वर्ष 2023-24 की कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में कर्मचारियों की संख्या में खासी कमी आने की बात कही गयी थी।

एक रूपया रोज सेवा संस्था का हुआ सम्मान

मुंबई हलचल/संवाददाता

बिकानेर। वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन आफ रिलिजन और नॉलेज (वर्क) एनजीओ के 37 वें स्थापना दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी एक रुपया रोज सेवा संस्था को समाज सेवा के कार्यों के लिए वर्क की महिला विंग्स राजस्थान की प्रभारी डॉक्टर शहनाज चंदड़, डॉक्टर मो यूनस खिलजी, डॉक्टर पी डी तंवर, डॉक्टर शोफिया जैदी, सुशीलाओझा, राजा राम स्वर्णकार द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष सिकन्दर राठौड़ के साथ मंजू लता रावत, चंचल सेन, मनोज कुमार, सरस्वती भार्गव अन्य सदस्य मौजूद रहे।

तेली घाणी विकास बोर्ड में राजनीतिक नियुक्तियां देने की मांग, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मुंबई हलचल/संवाददाता

बाड़मेर। राजस्थान बाड़मेर तेली समाज तेलीयान अंजुमन कमेटी के बैनर तले ने तेली घानी विकास बोर्ड में राजनीतिक नियुक्ति देने की मांग की जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम के ज्ञापन सोपा गया अब्दुल रहमान अमन ने बताया राजस्थान राज्य में तेली घानी विकास बोर्ड के गठन की स्वीकृति 23जुलाई 2023 को होने के बाद सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने तेली समुदाय की शैक्षणिक , सामाजिक और आर्थिक स्थिति की उन्नति के लिए स्वीकृति प्रदान की गई थी। राजस्थान राज्य में 20लाख से भी ज्यादा मुस्लिम तेली समुदाय के लोग रहते हैं। जिनका पुस्तैनी काम तेल घानी चलाना था। समय के साथ किसी भी तरह की सरकारी सहयोग और आर्थिक मदद नहीं मिलने के कारण युवा रोजगार और स्वरोजगार स्थापित करने में असफल रहे हैं।

राज्य सरकार ने एक वर्ष पूर्व बोर्ड गठित करने की स्वीकृति दी थी लेकिन अभी तक कोई किसी प्रकार का ठोस कदम नहीं उठाया गया है। राजस्थान के सभी ब्लॉक और जिला स्तर पर राज्य सरकार को पुनः स्मरण दिलाने के लिए तेली समाज के लोगो ने जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें पूर्व राज्य मंत्री अशरफ अली,हाजी गुलाम नबी हाजी, हाजी अब्दुल सत्तार जी गोरी,अयूब खान हाजी सत्तार मोहम्मद, इलियास एमडी, अब्दुल गफार गौरी, रफीक पीर बक्स, आबिद अली, अमजद अली गौरी, मोहम्मद रफीक राठौड़ा, वसीम गौरी, अकबर अली, मोहम्मद उमर, सदाम हुसैन गौरी, अल्लाह नूर अजरुदीन गोरी, अलताफ गौरी आदि मौजूद रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सेहत को लिए फायदेमंद है गुनगुना पानी

पानी पीना सेहत के लिए बहुत जरूरी है। डॉक्टरों के अनुसार हर किसी को दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। इससे शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं लेकिन अगर ठंड़े पानी की बजाए गुनगुना पानी पिया जाए तो यह सेहत के लिए रामबाण है। आइए जाने रोजाना गुनगुना पानी पीने के फायदों के बारे में...

1. गुमगुना पानी पीने से ब्लड सकुर्लेशन तेज हो जाता है। वैसे तो हर मौसम में गुनगुना पानी पीना चाहिए लेकिन सर्दियों में तो जरूर गुनगुना पानी ही पिएं।
2. रोजाना सुबह खाली पेट गुनगुना पानी पीने से कब्ज की परेशानी दूर हो जाती है।
3. भूख न लगने से परेशान हैं तो एक गिलास गुनगुने पानी में नींबू का रस,काली मिर्च और नमक डालकर पीएं। इससे भूख लगनी शुरू हो जाएगी।
4. सारा दिन थकावट महसूस हो रही हो तो सुबह उठने के बाद खाली पेट गुनगुने पानी का सेवन करें।
5. स्किन से जुड़ी कोई परेशानी है या त्वचा पर किसी तरह के रैशेज पड़ रहे हैं तो गुनगुना पानी पीने से राहत मिलती है।
6. त्वचा रूखी और बेजान है तो 10-12 गिलास पानी जरूर पिएं। इससे त्वचा पर ग्लो आ जाएगा।

कॉस्मेटिक सर्जरी से पहले जानें ये साइड इफेक्ट

कॉस्मेटिक सर्जरी के दौरान और बाद में कई बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे इसे किसी अनुभवी सर्जन से कराएं, ऑपरेशन थिएटर आधुनिक टूल्स से लैस हो, संक्रमण से बचाव आदि। जानें अलग-अलग सर्जरी से होने वाली दिक्कतें ताकि ट्रीटमेंट के बाद इनका खयाल रखा जा सके-

हेयर रेस्टोरेशन (गंजापन)
गंजापन दूर करने के लिए तीन तरह की सर्जरी करते हैं। पहली, सिर में खाली जगह पर 3-4 मिमी बालों सहित स्किन निकालकर ट्रांसप्लांट करते हैं। दूसरी, सिर के दोनों ओर से बाल व त्वचा रक्तवाहिनी सहित सिर के आगे लाते है। तीसरी, सिलिकॉन बलून को बालों के नीचे लगाकर त्वचा डबल करते हैं।
साइड इफेक्ट : सर्जरी के बाद संक्रमण, निशान या अधिक ब्लीडिंग भी हो सकती है।

राइनोप्लास्टी : मोटी नाक को पतला करने, टेड़ी नाक को सही आकार देने, दबी हुई नाक को शार्प करने के लिए राइनोप्लास्टी की जाती है।
साइड इफेक्ट : नाक की त्वचा पर लाल चकत्ते, सूजन व ब्लीडिंग हो सकती है। सर्जरी के बाद छह माह तक धूप से बचें।

आईब्रो लिफ्ट: यह सर्जरी दो तरह से होती है- बोटॉक्स व थ्रेड लिफ्ट। इसमें एजिंग के कारण झुकी हुई आईब्रोज और माथे की लटकी त्वचा को ठीक किया जाता है।
साइड इफेक्ट : संक्रमण, निशान दिखने व संवेदनशीलता खत्म होने जैसी दिक्कतें होती हैं।

ब्लेफरोप्लास्टी: इस सर्जरी में झुकी हुई पलकों व पफी आंखों को ठीक किया जाता है। इस दौरान अपर और लोअर आईलिड से अतिरिक्त फैट को निकालकर आंखों को सही लुक देते हैं।
साइड इफेक्ट : कुछ मामलों में लोअर आईलिड नीचे की ओर खिंच जाती है। जिसके लिए दोबारा सर्जरी करनी पड़ सकती है।

गाइनेकोमैस्टिया: कुछ आदमियों का सीना उभार लिए होता है। इस कारण वे हीनभावना के शिकार हो जाते हैं। ऐसे पुरुष इसे कम कराने के लिए गाइनेकोमैस्टिया कराते हैं।
साइड इफेक्ट : ब्लीडिंग, सूजन, निशान या स्किन पर लाल रंग के चकत्ते हो सकते हैं। स्किन का रंग बदलने के अलावा सीने की सेंसिविटी भी खत्म हो सकती है।

आर्म लिफ्ट: बेडौल हो चुके हाथों के ऊपरी भागों को सही आकार देने के लिए आर्म लिफ्ट सर्जरी कराई जाती है। इसमें हाथों के ऊपरी हिस्से में जमा फैट व लटकी हुई स्किन को हटाया जाता है।
साइड इफेक्ट : निशान इस सर्जरी का सबसे बड़ा साइड इफेक्ट है। कोहनी से लेकर अंडरआर्म तक की इस सर्जरी में दाग हमेशा के लिए रह सकते हैं।

फेस लिफ्ट: इस सर्जरी से चेहरे की झुर्रियां और लटकी हुई स्किन को हटाकर चेहरे व गर्दन की मसल्स को मजबूती दी जाती है व एक्स्ट्रा स्किन को निकाल दिया जाता है।
साइड इफेक्ट : संक्रमण, त्वचा का रंग बदलना, चेहरे की धमनियों में क्षति, संवेदनशीलता खत्म होने के साथ त्वचा पर लाल रंग के चकत्ते पड़ सकते हैं।

ऑटोप्लास्टी: ऑटोप्लास्टी में बड़े या बाहर निकले हुए कान को चेहरे के अनुरूप सही किया जाता है। कुछ लोग छिदे हुए कान के होल को छोटा करने के लिए भी यह सर्जरी करवाते हैं।
साइड इफेक्ट : संक्रमण, सूजन, ब्लीडिंग व निशान पडे का डर बना रहता है। कुछ मामलों में कान नेचुरल न दिखने पर दोबारा सर्जरी करानी पड़ सकती है।

चिन-चीक्स ऑग्युमेंटेशन: इस सर्जरी में छोटी ठुड्डी के ऊपर सिलिकॉन इंप्लांट करके इसको आकार देते हैं। कभी-कभी चिन की हड्डी को फेस के शेप के अनुसार घटाया-बढ़ाया जाता है।
साइड इफेक्ट : दर्द, सूजन व ब्लीडिंग के अलावा इम्प्लांट जगह से खिसक सकता है।

एब्डोमिनल प्लास्टी: प्रेग्नेंसी या वेट लॉस से कई बार पेट पर अधिक फैट जमा हो जाता है। जिसे निकालने के साथ मसल्स को भी टाइट कर बॉडी को सही आकार दिया जाता है।
साइड इफेक्ट : स्किन पर ब्लड क्लॉट व संक्रमण का डर रहता है।

ब्रेस्ट ऑग्युमेंटेशन: जन्म से अविकसित ब्रेस्ट, दोनों के साइज में अंतर होने व प्रेग्नेंसी के बाद लटके ब्रेस्ट को सही आकार देने के लिए यह सर्जरी की जाती है। इससे ब्रेस्ट में सिलिकॉन इम्प्लांट्स कर आकार बढ़ाया जाता है।
साइड इफेक्ट: अच्छी क्वालिटी के इम्प्लांट इस्तेमाल न किए जाने पर संक्रमण की स्थिति में इसे निकालना पड़ सकता है। निशान गहरा होने से ब्रेस्ट के हार्ड या टाइट होने जैसी समस्या हो सकती है।

लड़कों की यह परेशानियां लड़कियों को नहीं आती पसंद!

हर लड़का पूरी कोशिश करता है कि उसे अपनी गर्लफ्रैंड के सामने शर्मिंदा न होना पड़े लेकिन कई बार मर्दों में कुछ ऐसी समस्याएं होती हैं जो उन्हें अपने पार्टनर के सामने शर्मिंदा कर देती हैं। आज हम आपको ऐसी ही समस्याओं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके कारण आपको अपने पार्टनर के सामने शर्मिंदा होना पड़ सकता है।

गंजापन: कई बार समय से पहले ही बाल झड़ना शुरू हो जाते हैं। इसका कारण शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी भी हो सकता है। ऐसे में अपनी डाइट का पूरा ध्यान रखें।
खुजली: त्वचा रूखी होने के कारण उसमें खुजली होने लगती हैं। अगर आप पार्टनर को सामने बार-बार खुजली करेंगे तो उनको बिल्कुल अच्छा नहीं लगेगा। ऐसे में मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।
पसीना: पसीने के बदबू के कारण भी आपको अपनी पार्टनर के सामने शर्मिंदा होना पड़ सकता हैं। ऐसे में नहाने से पहले पानी में थोड़ा नमक डाल लें। इससे पसीने की बदबू नहीं आएगी।
अधिक बाल होना: शरीर पर अनचाहे बाल भी आपको ऐसी स्थिति में डाल सकते हैं। ऐसे में समय-समय पर रेजर का इस्तेमाल करें।

कहीं आपका बच्चा तो नहीं देखता ज्यादा टीवी

मोटापे की समस्या आजकल बड़ों से लेकर बच्चों तक देखने को मिलती हैं। आज कल आम देखने को मिलता है कि बच्चे फैटी तो होते हैं लेकिन उनकी हाइट नहीं होती। मोटापे के पीछे कई कारण होते हैं। बच्चों की गलत आदतें भी मोटापे का कारण हो सकती है। अधिक टीवी देखने से भी मोटापे का खतरा बढ़ता है। हाल में हुए शोध में पाया गया है कि टीवी को ज्यादा समय देने वाले और खाने-पीने से जुड़े विज्ञापन देखने वाले बच्चों में मोटापे का खतरा अधिक होता है। वहीं कम टीवी देखने वाले बच्चों में मोटापे कम पाया जाता है। टीवी पर विज्ञापन देखने के बाद बच्चे वहीं खादे की जिद करते हैं, जिसके कारण बच्चे फास्ट फूड और पैकेट बंद फूड्स का सेवन करते है।
आजकल के बच्चे पैकेट बंद स्नैक्स पर निर्भर करते हैं, जिसके कारण उनका वजन बढ़ता है। पैकेट बंद स्नैक्स में सोडियम की मात्रा अधिक पाई जाती है जिसके खाने के बाद भूख कम हो जाती है। बच्चे स्नैक्स खाने के बाद भोजन नहीं करते, जिससे उनके शरीर को पौष्टिक तत्व नहीं मिल पाते।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

6 फिल्में फ्लॉप होने के बाद मैं डर गई थी

हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू में बताया कि जब उनकी 6 फिल्में फ्लॉप हुई थीं, तब वो बुरी तरह डर गई थीं। उन्होंने कहा कि मैं कोई स्टार किड नहीं हूं। मुझे इंडस्ट्री में सपोर्ट करने के लिए फैमिली की बैकिंग नहीं थी। हाल ही में डैक्स शेफर्ड को दिए इंटरव्यू में प्रियंका ने कहा था कि उन्हें बॉलीवुड में कॉर्नर किया जा रहा था। उन्हें पॉलिटिक्स की वजह से मजबूर होकर बॉलीवुड छोड़कर जाना पड़ा। इसी इंटरव्यू में प्रियंका ने बताया कि 2008 में जब उनकी 6 फिल्में लगातार फ्लॉप हुई थीं तो वो और उनकी मां काफी डर गए थे। प्रियंका ने कहा कि उन्हें अच्छी तरह से इस बात का अंदाजा था कि क्योंकि वो कोई स्टार किड नहीं हैं, इसलिए कोई उन्हें इंडस्ट्री में डूबने से बचाने के लिए नहीं आएगा। प्रियंका ने बताया कि 2008 में एक मैगजीन ने कवर पर उनकी फोटो पर 'फिनिश्ड' लिखकर पब्लिश किया था। इसके बाद मैं और मेरी मां काफी परेशान हो गए थे। मेरी मां मुझे आकर कहती थीं कि अब तुम 30 साल की हो रही हो। मैं उस समय 26 की थी। उन्होंने कहा– ये उम्र इस इंडस्ट्री में काम करने के लिए काफी ज्यादा है। इन लोगों को काम करने के लिए सिर्फ 20 साल की लड़कियां चाहिए। अगर तुम अब भी यहां काम करना चाहती हो तो तुम्हें इस इंडस्ट्री में जीने के लिए पैसे कमाने के लिए बहुत मेहनत करनी होगी, कुछ अलग करना होगा। 'मैंने अपनी मां की बात मानी और इसी वजह से मैंने प्रोडक्शन करना शुरू किया', प्रियंका बोलीं। प्रियंका ने अपनी 6 फिल्मों के फ्लॉप होने को याद करते हुए कहा– मेरी 6 फिल्में फ्लॉप हुई थीं। मैं कोई नेपो बेबी नहीं हूं इसलिए मैं डर गई थी। मेरे पास उस तरीके का सपोर्ट नहीं था जो अक्सर बड़ी बॉलीवुड फिल्में करने पर मिलता है। यहां मल्टी–जनरेशन के एक्टर्स हैं जिन्हें काम करने के भरपूर मौके मिलते हैं।

सुनील ग्रोवर को आई स्ट्रगल के दिनों की याद

सुनील ग्रोवर ने कहा– मैं उस वक्त चंडीगढ़ में था और मेरा फर्स्ट ईयर चल रहा था। मैं उन दिनों कॉलेज में ड्रामा कर रहा था। फिल्म के मेकर्स शूटिंग के लिए वहां आए हुए थे। लोकल ड्रामा सर्किल से जुड़े किसी शख्स ने उन्हें मेरे बारे में बताया कि आप उससे पूछ लो। इसके बाद मैं अनीस सर से मिलने गया और उन्होंने मुझे उस रोल के लिए फाइनल कर लिया। बातचीत के दौरान सुनील ने बताया कि उन्होंने फेमस कॉमेडियन जसपाल भट्टी से कॉमेडी से जुड़े बेसिक्स सीखे। उन्होंने कहा– मैं जसपाल भट्टी के पास एक बार ऑडिशन के लिए गया था। वहां उन्होंने मुझे एक छोटा सा रोल दिया। फिर उन्होंने मुझे कई अन्य रोल दिए। धीरे–धीरे मैंने उनके साथ शोज करना शुरू कर दिया। वहीं से मुझे कॉमेडी की समझ आई। इससे पहले मैं सिर्फ मिमिक्री और बेतरतीब करके लोगों को हंसाने की कोशिश करता था। बता दें कि जसपाल भट्टी अपने दौर के फेमस कॉमेडियन्स में से एक थे। 90 के दशक में उन्हें दूरदर्शन के फेमस शोज फुल टेंशन, फ्लॉप शो और मिनी कैप्सूल के लिए जाना जाता है।

'मैं किसी अंधे–पागल को ढूंढ रही हूं जो मुझसे शादी कर ले...'

पटौदी खानदान की एकलौती नवाबजादी सारा अली खान अपने चुलबुले अंदाज के लिए पूरे बी–टाउन में जानी जाती हैं। घूमने–फिरने के अलावा उनका फन मोमेंट सोशल मीडिया पर धड़ल्ले से वायरल हो जाता हैं। कभी उनकी बचकानी हरकते तो कभी उनके लैम जोक्स हर एक चीज में सारा सबको खूब हसाती नजर आती हैं। हर कोई बस उनके नटखट व्यवहार की बातें करते हैं। हालांकि, इन सबके अलावा 27 साल की सारा शादी के बंधन में कब बंधेंगी, ये सवाल भी हमेशा उनके फैंस के मन में बना रहता हैं। की अपनी असल जिन्दगी में ये शहजादी किसकी रानी बनेंगी। खैर, अब इंतजार खत्म हुआ, क्योंकि सारा ने अपने वेडिंग प्लांस के बारे में चुप्पी तोड़ते हुए और साथ ही अपने लाइफ पार्टनर पर भी खुलासा किया है। हाल ही में, सारा अली खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'गैसलाइट' के प्रमोशन के लिए 'बिग बॉस' फेम शहनाज गिल के चैट शो 'देसी वाइब्स विद शहनाज गिल' में पहुंची थी जहा उन्होंने शो की होस्ट शहनाज संग खूब मस्ती करते हुए देखा गया। इस दौरान शहनाज ने सारा अली खान के वेडिंग प्लांस के बारे में जब पूछा तो इस पर एक्ट्रेस ने बड़ा ही मजेदार जवाब दिया। शहनाज गिल ने जब बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान से पूछा कि उनका शादी का क्या प्लान है। तो इस पर एक्ट्रेस ने जवाब देते हुए कहा, 'अभी तक तो नहीं है. ढूंढना पड़ेगा किसी अंधे पागल को, जो मुझसे शादी कर ले। उसी की खोज में हैं फिलहाल।' शहनाज ने उनसे पूछा कि अंधा पागल क्यों? इस पर सारा ने कहा, मुझे लगता है कि अंधा पागल जरूरी होगा, क्योंकि अगर दिमाग होगा और जान लेगा, पहचान लेगा मुझे तो भाग नहीं जाएगा।